21-9-2022

पत्रावली पेश हुई। सहायक अभियोजन अधिकारी उपस्थित। गैरसायल चुनाराम पुत्र हंसाजी, जाति– वागरी, निवासी– रेवदर, पुलिस थाना रेवदर, जिला– सिरोही उपस्थित। गैरसायल की ओर से अधिवक्ता श्री उमाराम देवासी उपस्थित हुये। गैरसायल ने लोक अदालत की भावना से प्रेरित होकर आरोप स्वीकारोक्ति का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर प्रकरण का आज ही निस्तारण करने का अनुरोध किया। जिस पर सहायक अभियोजन अधिकारी व गैरसायल के वकील की बहस सुनी गई। सहायक अभियोजन अधिकारी ने इस्तगासे में अंकित तथ्यों ध्यान आकर्षित करते हुए गैरसालय को सिरोही जिले से छः माह की अवधि के लिये निष्कासित करने का अनुरोध किया। जबकि गैरसायल के अधिवक्ता ने बहस के दौरान यह व्यक्त किया कि गैरसायल ने गैरसायल के विरुद्ध दर्ज धारा 13 आर.पी.जी.ओ. के मुकदमों में ट्रायल से बचने के लिये लोक अदालत की भावना से जुर्म स्वीकार करने के कारण गैरसायल को संबंधित न्यायालय ने दोष सिद्ध ठहराया है। गैरसायल के विरुद्ध दिनांक 16.7.2022 के बाद कोई मुकदमा दर्ज नही हुआ है। गैरसायल ने कभी शांतिभंग नही की है। गैरसायल गरीब व्यक्ति है जो मजदूरी कर अपना गुजारा कर रहा है। गैरसायल वर्तमान में किसी भी आपराधिक गतिविधियों में लिप्त नही है। गैरसायल ने कभी भी शांति भंग नही की है, इसलिये गैरसायल के विरुद्ध प्रस्तुत कार्यवाही को ड्रॉप किया जावे।

.....लगातार

न्यायालय अति० जिला मजिस्ट्रेट सिरोही (राज०)

अति. जिला मजिस्ट्रेट
सिरोही-307001.

Signature Not Verified

Digitally signed by Kalu Ram Khod
Date: 2022.11.17 16:54:32 IST
Reason: SelfAttested

हुक्म तारीख	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज	नम्बर व तारीख जो इस हुक्म की तामिल में जारी हुए

हमनें सुनी गई बहस पर मनन किया एवं पत्रावली का गंभीरतापूर्वक अध्ययन एवं अवलोकन किया। पुलिस अधीक्षक, सिरोही की रिपोर्ट के अनुसार गैरसायल चुनाराम पुत्र हंसाजी, जाति– वागरी, निवासी– रेवदर, पुलिस थाना रेवदर, जिला– सिरोही के विरुद्ध पुलिस थाना रेवदर में धारा 13 राजस्थान पब्लिक गैम्बलिंग अध्यादेश के तहत अपराध संख्या 96 दिनांक 10.10.2013, 07/08.1.2022, 82/27.6.2022 व 97 दिनांक 16.7.2022 को दर्ज हुये। गैरसायल के विरुद्ध धारा 13 राजस्थान पब्लिक गैम्बलिंग अध्यादेश के तहत दर्ज इन मुकदमों में बाद अनुसंधान संबंधित न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किये गये। उक्त अपराध संख्या 96 दिनांक 10.10.2013, 07/08.1.2022 व 82/27.6.2022 में संबंधित न्यायालय द्वारा पारित निर्णय दिनांक क्रमशः 23.10.2013, 17.2.2022, 20.7.2022 के द्वारा गैरसायल को दोष सिद्ध ठहराया गया है। जिनमें से अपराध संख्या 96 दिनांक 10.10.2013 व 07/08.1.2022 की प्रथम सूचना रिपोर्ट व आरोप पत्रों की प्रतियां न्यायालय पत्रावली पर उपलब्ध है एवं अपराध संख्या 07/08.1.2022 व 82/27.6.2022 में संबंधित न्यायालय द्वारा पारित निर्णय दिनांक क्रमशः 17.2.2022 व 20.7.2022 की प्रतियां न्यायालय पत्रावली पर उपलब्ध है। इससे स्पष्ट है कि कि गैरसायल राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 की धारा 2(ख)(V) में वर्णित अपराध करने का दोषी है व गुण्डा की श्रेणी में आता है। पुलिस अधीक्षक, सिरोही की रिपोर्ट एवं पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजी साक्ष्यों से यह स्पष्ट है कि गैरसायल जुआं संबंधी अपराधों में लिप्त रहा है।

अतः उपरोक्त सभी तथ्यों एवं परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक, सिरोही द्वारा प्रस्तुत इस्तगासे को स्वीकार करते हुऐ गैरसायल चुनाराम पुत्र हंसाजी, जाति– वागरी, निवासी– रेवदर, पुलिस थाना रेवदर, जिला– सिरोही को राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम, 1975 की धारा 3 के परिप्रेक्ष्य में 15 दिन की अवधि के लिये पुलिस थाना क्षेत्र, रेवदर से निष्कासित किया जाता है। इस निष्कासन अवधि में गैरसायल बिना पूर्व अनुमति के पुलिस थाना क्षेत्र, रेवदर की सीमा में प्रवेश नही करेगा, गैरसायल इस निष्कासन अवधि में एक सामान्य व अच्छे नागरिक की तरह जीवन यापन करेगा तथा किसी प्रकार के आपराधिक कृत्य नही करेगा। इसके अतिरिक्त, गैरसायल इस अवधि में किसी भी शैक्षणिक संस्था, धार्मिक स्थल, सार्वजनिक पार्क आदि के आस–पास अपनी उपस्थित नही देगा। गैरसायल उक्त निर्देश/निबन्धन एवं शर्तो का सम्यक पालन करने की दृष्टि से उक्त अधिनियम की धारा 7(1) के तहत राशि रुपये 20,000/– (अक्षरे रुपये बीस हजार मात्र) का स्वयं का बन्ध पत्र प्रस्तुत करेगा। आदेश सुनाया गया। माफिक आदेश गैरसायल ने स्वयं का बन्ध पत्र प्रस्तुत किया जो बाद तस्दीक शामिल मिसल किया गया। पत्रावली फैसल शुमार होकर नंबर से कम हो[illegible] पुलिस थाना, रेवदर को पालनार्थ प्रेषित की जावे।

Signature Not Verified

Digitally signed by Kalu Ram Khod
Date: 2022.11.17 16:54:32 IST
Reason: SelfAttested

सिरोही-307